

न्यूज़ डायरी

अस्पताल स्टाफ के लिए अब ड्रेस कोड अनिवार्य

नोएडा (ब्यूरो)। जिला अस्पताल प्रबंधक ने सभी स्टाफ को सफ़ाई करवा कर कहा है कि उन्हें ड्रेस कोड में ही अस्पताल आना होगा। इसके लिए बृहस्पतिवार को अस्पताल परिसर में घोषणा भी की गई। सफ़ाई के अनुसार, अगर कोई ड्रेस कोड में नहीं आया तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। कार्यवाहक सीएमएस डॉ. वंदना शर्मा ने बताया कि महिला स्टाफ को सूट या साड़ी में आना होगा, जबकि पुरुष स्टाफ को फ़ैट-शर्ट में।

एसीईओ ने बीटा-1 सेक्टर का दौरा किया

ग्रेटर नोएडा (ब्यूरो)। प्राधिकरण के एसीईओ विमल कुमार शर्मा ने बृहस्पतिवार को बीटा-1 सेक्टर का दौरा किया। इस मौके पर उन्होंने आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों से सेक्टर की समस्याओं को लेकर विचार विमर्श किया गया। सेक्टर के लोगों ने कई समस्याओं को लेकर उन्हें ज्ञापन भी दिया। आरडब्ल्यूए के डेवेंद्र टाडगर समेत कई पदाधिकारियों ने सेक्टर में बंदर व कुत्तों के आतंक की जानकारी दी। एसीईओ ने समस्याओं का समाधान जल्द कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान अरविंद भाटी, आलोक नागर, विनोद कसाना, प्रदीप बरहेला व हरेंद्र भाटी मौजूद रहे।

सड़क हादसे की रिपोर्ट नहीं दर्ज

दरभंगा (ब्यूरो)। यमुना एक्सप्रेसवे के ओवरटेक के दौरान पलटने से 20 में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

ठेकेदारों ने रुपये नहीं देने

ग्रेटर नोएडा (ब्यूरो)। शहर के एक ठेकेदारों ने मालिक पर रुपये नहीं देने एमएसपी से शिकायत कर रुपये देना सुक्रवार को प्रदर्शन करने और भूख हड़ताल की है। उनका कहना है कि पैसे न मिलने के कारण वे जूझ रहे हैं। शिकायत योगेंद्र सिंह, दिनेश भाटी, महेंद्र पाल, अहमद आदि शामिल हैं।

25-26 मार्च को मिलेगा

ग्रेटर नोएडा (ब्यूरो)। जिला अस्पताल परिसर में 25-26 मार्च को ओला बर्बाद हो गई थी। ग्रेटर नोएडा (ब्यूरो)। जिला अस्पताल परिसर में 25-26 मार्च को ओला बर्बाद हो गई थी। ग्रेटर नोएडा (ब्यूरो)। जिला अस्पताल परिसर में 25-26 मार्च को ओला बर्बाद हो गई थी।

गांवों का दौरा कर विधायक

खिलासपुर (ब्यूरो)। विधायक धीरेन्द्र बरसात, खानपुर, दाऊदपुर, बागपुर, निचरी आदि गांवों का दौरा कर लोगों को आने वाले समय में संबंधित विभागों से शिकायत कर रुपये देना सुक्रवार को प्रदर्शन करने और भूख हड़ताल की है। उनका कहना है कि पैसे न मिलने के कारण वे जूझ रहे हैं। शिकायत योगेंद्र सिंह, दिनेश भाटी, महेंद्र पाल, अहमद आदि शामिल हैं।

टेलीकॉम कंपनी के कर्मियों

ग्रेटर नोएडा (ब्यूरो)। जगत फार्म प्रबंधक और कर्मियों से उपभोक्ता ने पर मारपीट का आरोप करने पर गोलो फेकने का आरोप लगाया है। कासना के कर्मियों ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि बृहस्पतिवार को वह जगत फार्म स्थित कार्यालय में बैठे थे। तभी एक उपभोक्ता कार्यालय पर पहुंचा और नंबर पोर्ट कराने की बात कहकर अभद्रता करने लगा। आरोप है कि उपभोक्ता ने प्रबंधक अजय कुमार से मारपीट की। इसका अन्य कर्मियों ने विरोध किया तो उनसे भी अभद्रता की गई। कासना कोतवाली एसएसआई गंगा सहाय सक्सेगी ने बताया कि कर्मियों की शिकायत पर मामले की जांच की जा रही है।

चाकू दिखाकर युवक से नकदी-मोबाइल लूटे

जेवर (ब्यूरो)। बैना रोड पर बुधवार रात नकाबपोश दो बदमाशों ने चाकू दिखाकर कृष्ण कुमार से दो मोबाइल, कागजात से भरा बैग और 3975 रुपये लूट लिए। बारादात के बचत बंद गाजियाबाद से डप्टी कर घर लौट रहा था। पॉइंट की शिकायत पर जेवर कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

साइट पर हंगामा, 72 पर केस दर्ज

रबपुर (ब्यूरो)। कोतवाली क्षेत्र में गांव रामपुर के समीप गौड़ सिटी की निर्माणाधीन साइट पर ग्रामीणों ने कर्मचारियों व मजदूरों से मारपीट की और तोड़फोड़ की। पुलिस ने 72 अज्ञात लोगों पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वरिष्ठ प्रबंधक महेंद्र शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मंगलवार को काफी संख्या में ग्रामीण साइट पर पहुंचे और काम कर रहे मजदूरों को डरा धमकाकर काम बंद कर दिया। आरोप है इस दौरान विरोध करने पर लोगों ने मजदूरों से मारपीट की।

पति समेत चार पर दहेज हत्या का मामला दर्ज

रबपुर (ब्यूरो)। कोतवाली क्षेत्र के गांव भांडपुर में बुधवार को संधिहालता में महिला की मौत के मामले में पुलिस ने उसके पति हरीश, सास राजवती, समूह देवीसदन व जेट गिरिश के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज कर लिया। जेवर के गांव छात्रों का खूद निवास महिला पुलिस को बताया कि उसने अपनी पुत्री गीता की शादी 2 वर्ष पूर्व गांव भांडपुर निवासी हरीश के साथ की थी। आरोप है कि पति और ससुराल वालों ने अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर गला दबाकर गीता की हत्या कर दी।

आखिर कब वापस होगा ₹5410 करोड़ का कर्ज

वसूली में जुटा नोएडा प्राधिकरण, प्राधिकरणों और एजेंसियों पर ब्याज का सैकड़ों करोड़ भी बकाया

सुरील पांडेय नोएडा।

उत्तर प्रदेश में पिछले पांच वर्षों तक सपा की सरकार रही। इससे पहले बसपा की सरकार थी। इन सरकारों के दौरान विकास के लिए नोएडा प्राधिकरण से हजारों करोड़ रुपये का कर्ज दिलाया गया, लेकिन इनमें से 5410 करोड़ रुपये का कर्ज अब भी बकाया है। अब हालात ये हैं कि नोएडा प्राधिकरण के पास खुद पैसे की किल्लत हो गई है। यही नहीं ब्याज के रूप में सैकड़ों करोड़ रुपये अलग-अलग एजेंसियों पर बकाया है। इसमें अलग-अलग प्राधिकरणों को दी गई कर्ज की रकम भी शामिल है। इन पैसों से कितना काम हुआ, इसकी जानकारी कोई अधिकारी नहीं दे रहा है। सूत्रों के मुताबिक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर अकेले 3700 करोड़ रुपये का कर्ज बकाया है। अब नोएडा प्राधिकरण की ओर से कर्ज की राशि

प्रतिकरण के पास खुद पैसे की किल्लत हो गई है। यही नहीं ब्याज के रूप में सैकड़ों करोड़ रुपये अलग-अलग एजेंसियों पर बकाया है। इसमें अलग-अलग प्राधिकरणों को दी गई कर्ज की रकम भी शामिल है। इन पैसों से कितना काम हुआ, इसकी जानकारी कोई अधिकारी नहीं दे रहा है। सूत्रों के मुताबिक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर अकेले 3700 करोड़ रुपये का कर्ज बकाया है। अब नोएडा प्राधिकरण की ओर से कर्ज की राशि

एमओयू भी हुआ था साइन अलग-अलग कार्यों के लिए कर्ज देते समय एजेंसियों के साथ नोएडा प्राधिकरण ने एमओयू भी साइन किया था। साथ ही कर्ज की राशि चुकाने और ब्याज के बाबत भी उस एमओयू में लिखा हुआ था। लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया गया।

कर्म वापसी के लिए दिया जा रहा नोटिस और रिमाइंडर

विकास प्राधिकरण को भी 60 करोड़ रुपये का कर्ज दिला दिया गया। हालांकि यह नहीं पता चला कि किस मद में यह पैसा दिलाया गया, लेकिन यह कर्ज भी फंस रहा है। प्राधिकरण वापस लेने की कवायद की जा रही है। इसी तरह यमुना प्राधिकरण पर कर्ज का 1150 करोड़ रुपये बकाया है। यहां से भी वसूली के लिए पत्र लिखा गया है। यही नहीं आगरा

के इतर दो अन्य एजेंसियों पर भी बड़ी रकम का कर्ज है। इसमें यूपीएसआईटीसी पर नोएडा प्राधिकरण का 400 करोड़ बकाया है। इसके अलावा यूपीपीसीएल पर प्राधिकरण का 250 करोड़ रुपये बकाया है। इन सभी एजेंसियों को कर्ज चुकाने के लिए नोएडा प्राधिकरण की ओर से पत्र लिखा गया है। यही नहीं इनको रिमाइंडर भी भेजा जा रहा है। इसमें कर्ज की रकम जमा करने की बात कही जा रही है। यही नहीं कर्ज के अलावा 9.5 प्रतिशत के दर से ब्याज की रकम भी वसूलने की तैयारी की जा रही है।

एजेंसियों ने नहीं चुकाया बकाया तो शासन को लिखें पत्र

अलग-अलग प्राधिकरण एक दूसरे से कर्ज लेते रहते हैं। साथ ही उसे चुकाने की प्रक्रिया भी समय-समय पर पूरी की जाती रही है। इसके अलावा अन्य एजेंसियों पर जो बकाया है उसकी वसूली की कवायद की जा रही है। अगर यह एजेंसियां बकाया नहीं चुकाती हैं तो शासन को पत्र लिखा जाएगा। -दीपक अग्रवाल, सीईओ, नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

कार सवार बदमाशों ने प्राधिकरण के हाईटेंशन लाइन से

खास खबर

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में फ्लैट की कीमतों का हाल

नहीं मिलेगा सब्सिडी का लाभ

अमर उजाला ब्यूरो ग्रेटर नोएडा।

12 और 18 लाख रुपये की कीमत वाले फ्लैट खरीदने पर सब्सिडी देने के केंद्र सरकार के फैसले से नोएडा व ग्रेटर नोएडा में खरीदारों को कुछ खास फायदा होने की उम्मीद नहीं है। इसकी वजह है कि यहां की महंगी जमीन और अधिक निर्माण लागत। दरअसल, नोएडा व ग्रेटर नोएडा में जमीन की कीमत काफी बढ़ चुकी है। नोएडा में 40 हजार रुपये से अधिक प्रति वर्ग मीटर की दर पर जमीन बिक रही है और ग्रेटर नोएडा में 26 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर से कम कीमत की जमीन नहीं है। इस

नहीं मिलेगा सब्सिडी का लाभ

नीति लागू कराने से पहले सर्वे करना चाहिए

केंद्र सरकार को अपनी इस नीति लागू करने से पहले सर्वे करा लेना चाहिए। दिल्ली-एनसीआर और अन्य महानगरों में इस कीमत में घर नहीं मिल सकता। हां, छोटे शहरों में इस नीति का लाभ मिल जाएगा। -अभिषेक कुमार, अध्यक्ष, नेफोवा

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

सेमी अरबन एरिया में खरीदारों को मिलेगा लाभ

केंद्र सरकार जिस रेट के घर की बात कह रही है, उस रेट के घर नोएडा-ग्रेटर नोएडा में ही नहीं। सेमी अरबन एरिया में बनने वाले घरों के खरीदारों को ही इस नीति का लाभ मिल जाएगा।-अभय कुमार, सीएमडी, गृह प्रवेश बिल्डटेक

हिसाब से कीमत जोड़ी गई है। अगर इसमें घर बनाने वाली एजेंसी को भी शामिल करें, तो कीमत और बढ़ जाएगी, जबकि केंद्र सरकार की योजना है कि 90 व 110 वर्ग मीटर का घर खरीदने पर 3 से 4 फीसदी सब्सिडी मिलेगी।

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

कर सकेंगे लेखपाल

अमर उजाला ब्यूरो ग्रेटर नोएडा। अब लेखपाल ऑफिस ऑवर में तहसील या कलेक्ट्रेट में ही बैठेंगे। लेखपाल के घर पर रहकर ऑफिस के काम करने पर डीएम ने रोक लगा दी है साथ ही एसडीएम को इन पर नजर रखने को कहा है। जिलाधिकारी एनपी सिंह बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट के सम्मेलन में स्टाफ बैठक में निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्व बांधों का निस्तारण नहीं किया जा रहा है। उसी प्रकार वसूली का कार्य भी संतोषजनक नहीं पाया गया। उन्होंने कहा कि सभी तहसीलों में तहसील अभियान चलाकर विरसत दर्ज का यदि कोई प्रकरण लंबित है, उसका तुरंत निस्तारण कर देंगे। रास्ता और सरकारी कच्चे को तुरंत हटाना और तब तक जनपद के सभी कच्चे को ओलावृष्टि के मुआवजा का भुगतान किया जाए। इस मौके पर अमर उजाला ब्यूरो

ऑफिस ऑवर के तहसील या कलेक्ट्रेट में ही बैठेंगे, एसडीएम को इन पर नजर रखने को कहा है।

जिलाधिकारी एनपी सिंह बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट के सम्मेलन में स्टाफ बैठक में निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्व बांधों का निस्तारण नहीं किया जा रहा है। उसी प्रकार वसूली का कार्य भी संतोषजनक नहीं पाया गया। उन्होंने कहा कि सभी तहसीलों में तहसील अभियान चलाकर विरसत दर्ज का यदि कोई प्रकरण लंबित है, उसका तुरंत निस्तारण कर देंगे। रास्ता और सरकारी कच्चे को तुरंत हटाना और तब तक जनपद के सभी कच्चे को ओलावृष्टि के मुआवजा का भुगतान किया जाए। इस मौके पर अमर उजाला ब्यूरो

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

English (First Paper)

Time: 3 hr. 15 min. M.M-50 Instructions: First 15 minutes are allotted for the candidates to read the question paper. Note: 1. All questions are compulsory. 2. Marks are indicated against each question. 3. Read the questions carefully before you answer them. (1) Explain with reference to the context anyone of the following passages. (4) a) Politically and economically India faces many problems of great difficulty, and no one can forecast her future with any certainty. But it is safe to predict that, whatever the future may be, the Indians of coming generations will not be unconvincing and self-conscious copies of Europeans, but will be men rooted in their traditions, and aware of the continuity of their culture. b) The creator had spent in its making enough of such stuff as the air and the sky are made of. The result was that his mind was full of the desire for freedom. It would run a race with the wind, it would dash to the point where sky touched earth. Other animals ran with a purpose, but the horse raced about for no apparent reason, as though it were eager to fly away from its ownself. c) He came and sat on my nose..... He was one of the those wingy, nippy, intrepid insects that we call, vaguely, mosquitoes. I flicked him off my nose, and he made a tour of the compartment, investigated its three dimensions, visited each window, fluttered round the light, decided that there was nothing so interesting as that large animal in the corner, came and had a look at my neck. (2) Select one of the following passages and answer the questions that follow. (4) a) No one knows how it happens, but early in life- sometimes even at birth- fatty deposits begin to build up in the coronary arteries. Gradually, they can close an artery, or a clot may form to close it suddenly. Where an artery becomes blocked, the portions of the heart muscle it feeds, dies. This leaves scar tissue- it may be no larger than a small marble, but it can be half the size of a tennis ball. How serious the trouble is depends on the size and positions of the plugged artery. Questions: a. What sort of substances block an artery? b. At what state of life is an artery likely to get blocked? c. How does the plugged artery affect the heart? d. What should we do to avoid heart attack? b) He only is fitted to command and control who has succeeded in commanding and controlling himself. The hysterical, the fearful, the thoughtless and frivolous, let such seek company, or they will fall for lack of support; but the calm, the fearless, the thoughtful, and grave, let such seek the solitude of the forest, the desert and the mountain- top, and to their power more power will be added, and they will more and more successfully stem the psychic currents and whirlpools which engulf mankind. Questions: a. Who do you think are fit to lead others? b. What flaws in men lead to their failure in life? c. What is the secret of success in life? d. How can one be greater service to mankind? (3) Answer two of the following questions in not more than 30 words each: (2+2=4) a) How will Hindu Civilization retain its continuity? b) What constitutes the essence of the good life? c) Why did the man think of capturing the horse? d) Answer one of the following questions in not more than 150 words: (6) a) Describe briefly Dr. Radhakrishnan's views on women's education. b) What is the opinion of William C. Douglas about the people of India? What picture does he draw about that little girl? (5) Fill in the blanks in the following sentences selecting the most suitable words from the brackets: (4x 1/2 = 2) a) That, no doubt is the reason these little children descended on me like .....(clouds, birds, locusts, flies). b) Passion is not power, it is the ..... of power. (abuse, muse, reuse, dues) c) Society requires women of disciplined minds and ..... manners. (retained, contained, constrained, restrained). d) The old family system is .....itself to present day conditions. (adopting, connecting, adapting, isolating). (6) Answer one of the following questions in not more than 150 words: (5) a) Describe the character of Shylock as depicted in the play "The Merchant of Venice". b) Give your opinion of the character of Antonio. (7) Answer one of following questions in not more than 30 words: (2) a) Why does Shylock hate Antonio? b) Describe briefly Portia's views on the virtues of mercy. (8) Answer one of the following questions in not more than 150 words: (5) a) What were Sanku's problems and how did he plan to solve them? b) What makes you like the story "The lost child"? (9) Answer one of the following questions in not more than 30 words: (2) a) How could the astrologer get rid of the stranger? b) Why did Gyan Babu's wife tell him to put in his resignation? (10) Explain with reference to the context any two of the following extracts: (4+4=8) a) His state Is kingly. Thousands at His bidding speed, And post over land and ocean without rest, They also serve who only stand and wait. b) Let eyes grow dim and heat grow faint And friendship fail and love betray. Let fate its hundred horrors send And clotted darkness block the way. c) O World! O Life! O Time! On whose last steps I climb, Trembling at that where I had stood before; When will return the glory of your prime? No more- Oh, never more! (11) Write the central idea of any one of the following poems: (4) a) My Heaven b) Character of a Happy Life c) On his Blindness (12a) Define figure of speech Simile and give an example of it. (2) b) Point out the figures of speech in any two of the following: (2) a. Death lays his icy hands on Kings. b. He is an innocent criminal. c. Rome! Thou hast seen much better days.

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

खास खबर

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में फ्लैट की कीमतों का हाल

नहीं मिलेगा सब्सिडी का लाभ

अमर उजाला ब्यूरो ग्रेटर नोएडा।

12 और 18 लाख रुपये की कीमत वाले फ्लैट खरीदने पर सब्सिडी देने के केंद्र सरकार के फैसले से नोएडा व ग्रेटर नोएडा में खरीदारों को कुछ खास फायदा होने की उम्मीद नहीं है। इसकी वजह है कि यहां की महंगी जमीन और अधिक निर्माण लागत। दरअसल, नोएडा व ग्रेटर नोएडा में जमीन की कीमत काफी बढ़ चुकी है। नोएडा में 40 हजार रुपये से अधिक प्रति वर्ग मीटर की दर पर जमीन बिक रही है और ग्रेटर नोएडा में 26 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर से कम कीमत की जमीन नहीं है। इस

नीति लागू कराने से पहले सर्वे करना चाहिए

केंद्र सरकार को अपनी इस नीति लागू करने से पहले सर्वे करा लेना चाहिए। दिल्ली-एनसीआर और अन्य महानगरों में इस कीमत में घर नहीं मिल सकता। हां, छोटे शहरों में इस नीति का लाभ मिल जाएगा। -अभिषेक कुमार, अध्यक्ष, नेफोवा

सेमी अरबन एरिया में खरीदारों को मिलेगा लाभ

केंद्र सरकार जिस रेट के घर की बात कह रही है, उस रेट के घर नोएडा-ग्रेटर नोएडा में ही नहीं। सेमी अरबन एरिया में बनने वाले घरों के खरीदारों को ही इस नीति का लाभ मिल जाएगा।-अभय कुमार, सीएमडी, गृह प्रवेश बिल्डटेक

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन

जमीन और निर्माण लागत ज्यादा होने से आएगी अड़चन

जमीन के 60 फीसदी क्षेत्र पर ही निर्माण किया जाता है, बाकी जगह फैसिलिटी में निकल जाती है। अगर कुल लागत निकाली जाए तो जमीन